रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) चूंकि निर्धारित जलमार्ग नहीं था इसलिए मक्सी–शाजापुर खण्ड पर किलोमीटर 4 और 5 के बीच शुरू में कोई पुल नहीं बनाया गया था । मिट्टी का काम पूरा हो जाने के बाद ही पुल की जरूरत का पता चला । इसलिए इस क्षेत्र में रुके हुए पानी को निकालने के लिए 1–15 फुट स्पैन की प्रतिबलित सीमेंट-कांक्रीट की सिल्ली वाली एक पुलिया बाद में बनायी गयी । पुल की अनुमानित लागत लगभग 30,000 रुपये थी न कि 90,000 रुपये ।

(ख) छावनी स्टेशन (कैंट स्टेशन नहीं) के समीप समपार सं० 6 के पहुंच मार्ग पर 1–12 फुट प्रतिबलित सीमेंट–कांक्रीट की सिल्ली वाली एक पुलिया बनाकर आवश्यक आर-पार नाली की पहले ही व्यवस्था कर दी गयी है । इसलिए वर्षा के कारण पुश्ते के किसी भाग के बह जाने की कोई सम्भावना नहीं है ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

मोर के पंखों का निर्यात

7142. श्री ओंकार सिंह :
श्री हुकम चन्द कछवाय :

क्या **वाणिज्य** मंत्री 31 मार्च, 1967 के अतारांकित प्रश्न संख्या 335 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय सरकार को पता है कि मोर के पंखों को, जिन से काफी विदेशी मुद्रा प्राप्त की जा सकती है, एकत्र करने के लिये राज्य सरकारों ने कोई व्यवस्था नहीं की है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार राज्य सरकारों को इस बारे में हिदायतें जारी करने का है ताकि उनका निर्यात पर्याप्त मात्रा में बढ़ाया जा सके; और

(ग) क्या सरकार का विचार पंख एकत्र करने वालों से भी निर्यात के लिये पंख खरीदने की कोई व्यवस्था करने का है ?

वाणिज्य मंत्री (श्री दिनेश सिंह) : (क) से (ग). मोर के पंख निजी व्यापारियों द्वारा एकत्र और निर्यात किये जा रहे हैं । राज्य सरकारों से निर्यात बढ़ाने के लिये अनुरोध करने का सरकार का कोई विचार नहीं है और पंख एकत्र करने वालों से मोर के पंख खरीदने की भी सरकार का विचार नहीं है ।

अवांछित तरीकों से पंख एकत्र करने को रोकने के लिये सीमित वार्षिक कोटे के अंदर अंदर निर्यात की अनुमति दी जाती है ।

Exports to Neighbouring Countries

7143. Shri Ram Krishan Gupta: Will the Minister of **Commerce** be pleased to state the steps taken to sustain exports to neighbouring countries like Ceylon, Burma and Nepal with a view to evolve effective measures to meet the Chinese challenge in these natural markets for the Indian exports?

The Minister of Commerce (Shri Dinesh Singh): A number of measures have been taken by the Government of India to expand and diversifying our exports to the neighbouring countries. Trade Agreements/Arrangements have been concluded with Afghanistan, Ceylon, Indonesia, Iran, Japan, and Nepal. We are also negotiating Trade Agreements with the Governments of Burma, Malayasia and Thailand. With a view to assist the friendly countries in purchasing their essential requirements in India, loans and credits have been granted to countries like Ceylon, Indonesia and Nepal. Deferred-payment facilities are also being granted on merits to facilitate export of items like capital goods and engineering items. Our Trade Representatives in these countries keep a close watch on the economic trends, and they advise the concerned Export Promotion